Series HRL/2

Code No. 4/2/1
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **17** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

HINDI
हिन्दी
(Course B)
(पाठ्यक्रम ब)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 100*

निर्देश : *(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ ।*

*(ii) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) यथासंभव प्रश्नों के उपभागों के उत्तर क्रमशः लिखिए ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सरलता मानव का स्वाभाविक गुण है । आडंबर जीवन को जटिल बनाता है और हृदय में विकार उत्पन्न करके उसे कलुषित बनाता है । अहंकार, आडंबर आदि तुच्छ विचारों के कुप्रभाव से मनुष्य अब कृत्रिम बन रहा है । सरल, सहज और सादा जीवन हमें प्रकृति से जोड़ता है ।

संसार में किसी भी देश में महान् व्यक्तियों का अभाव नहीं रहा है । कुछ व्यक्ति अपने ही देश में ख्याति पाते हैं और कुछ व्यक्तियों की ख्याति संसार में फैल जाती है । संसार के विख्यात व्यक्तियों के जीवन पर यदि दृष्टि डाली जाए तो चाहे वह देशभक्त हो या वैज्ञानिक, साहित्यकार हो या दार्शनिक अथवा उद्योगपति, सभी में कुछ न कुछ विशेषता अवश्य ही मिलेगी । ऐसे व्यक्ति संसार में बहुत कम हैं जो जन्म से ही विख्यात हुए हों । अधिकांशतः लोगों को यह ख्याति उनके चरित्र-बल और उद्यम से ही प्राप्त होती है । संसार में ऐसे मनुष्य कम नहीं हैं, जिनका साधारण परिवार में जन्म हुआ किन्तु वे अपनी बुद्धि और लगन के कारण बहुत ऊँचे उठ गए । प्रतिदिन संसार में अनेक मनुष्य जन्म लेते हैं और मरते हैं, पर सभी का नाम उनकी मृत्यु के बाद यहाँ नहीं टिका रहता ।

मनुष्य में विनय, उदारता, कष्ट-सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है । इन गुणों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है । ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन या सादा बनाते हैं । सादा जीवन या सादगी का अर्थ है — रहन-सहन, वेशभूषा और आचार-विचारों का एक निर्दिष्ट स्तर । जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रूप से करणीय हैं । पहला, कठिन से कठिन परिस्थितियों में धैर्य को न छोड़ना, दूसरा अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना । हमारी वास्तविक आवश्यकताएँ बहुत कम होती हैं । अपनी आवश्यकताओं को हम स्वयं बढ़ाते हैं जो बाद में हमारे जीवन को विषम बना देती हैं । इसलिए सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाये रखना चाहिए ।

(i) प्रस्तुत गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।

(ii) हमारा जीवन कृत्रिम कैसे बन रहा है ?

(iii) कैसा जीवन हमें प्रकृति से जोड़ता है ?

(iv) संसार में लोगों को ख्याति किन कारणों से मिलती है ?

(v) गद्यांश का मूल संदेश दो वाक्यों में लिखिए । *1*

(vi) मनुष्य का जीवन अहंकार-रहित कैसे बन सकता है ? *1*

(vii) सादगी का क्या अर्थ है ? *1*

(viii) जीवन में सादगी कैसे लाई जा सकती है ? *2*

(ix) 'वैज्ञानिक' और 'उदारता' शब्दों से प्रत्यय अलग करके लिखिए । *1*

(x) मृत्यु और गुण शब्दों के विपरीतार्थक लिखिए । *1*

(xi) मनुष्य और अहंकार के दो-दो पर्यायवाची लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मेरे अंदर एक देश बसता है
ज़िंदगी से हारकर जब उदास होता है वह
प्यार देता है
दुलार देता है
अपनी बाँहों में कसता है !
मेरे अंदर एक पर्वत है
जिसकी चोटी नभ को चूमती है
जिसकी नस-नस अपनत्व के नशे में झूमती है ।
मेरे अंदर कुछ पवित्र नदियाँ हैं
जो धरती के कोरे पन्नों पर
लिखती हैं नित नए प्यार के गीत
जागो, जागो, जागो ओ मेरे मीत !
मेरे अंदर मंदिर हैं, मस्जिदें हैं, गिरजे हैं
भगवान की नज़र में सभी प्यारे हैं

अनेक होकर भी सबका ध्येय है एक
वे कितने न्यारे हैं ।
मेरे अंदर, एक सभ्यता है, एक संस्कृति है
जो जीने की राह बताती है
सदियों पुरानी होकर, अमर-नवीन कहलाती है
स्कूल-कालेज-अस्पताल, कल-कारखाने-खेत,
नहरें-बाँध-पुल हैं, जहाँ श्रम के फूल खिलते हैं
और एक अरब लोग एक-दूसरे के गले मिलते हैं ।
मेरे अंदर, कश्मीर-ताज-अजंता-एलोरा का
कुँआरा रूप झिलमिलाता है
हर नई साँस के संग, नया सूरजमुखी खिलखिलाता है
एक देश बाहर है, एक देश मेरे अंदर है
जो देश मेरे अंदर है, वही मेरा मंदिर है ॥

(i) कविता का उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ii) देश प्यार कब देता है ? *1*

(iii) "जिसकी नस-नस अपनत्व के नशे में झूमती है" — का भाव स्पष्ट कीजिए । *1*

(iv) हमारी संस्कृति की क्या विशेषता है ? *1*

(v) 'वे कितने न्यारे हैं' किसे कहा गया है और क्यों ? *2*

(vi) आशय स्पष्ट कीजिए : *2*
जो देश मेरे अंदर है, वही मेरा मंदिर है ।

अथवा

नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर है,
सूर्य-चन्द्र युग मुकुट, मेखला रत्नाकर है ।
नदियाँ प्रेम-प्रवाह, फूल तारे मंडन हैं,
बंदीजन खग-वृंद, शेष फन सिंहासन हैं ।

करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेश की
हे मातृभूमि, तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की ।

निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है,
शीतल-मंद-सुगंध पवन हर लेता श्रम है ।
षड्ऋतुओं का विविध दृश्ययुत अद्भुत क्रम है,
हरियाली का फ़र्श नहीं मखमल से कम है ।

शशि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्र-प्रकाश है
हे मातृभूमि, दिन में तरणि, करता तम का नाश है ।

सुरभित, सुंदर, सुखद सुमन तुझ पर खिलते हैं ।
भाँति-भाँति के सरस, सुधोपम फल मिलते हैं
औषधियाँ हैं प्राप्त एक से एक निराली,
खानें शोभित कहीं धातु-वर रत्नों वाली ।

जो आवश्यक होते हमें, मिलते सभी पदार्थ हैं,
हे मातृभूमि, वसुधा धरा तेरे नाम यथार्थ हैं ।

(i) कविता का उपयुक्त शीर्षक लिखिए । *1*

(ii) मातृभूमि के उस वेश का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए जिसके लिए कवि ने कहा है — 'बलिहारी इस वेश की' । *2*

(iii) भारत में ऋतुओं का क्रम अद्भुत क्यों माना जाता है ? *2*

(iv) मखमल किसे माना है और क्यों ? *1*

(v) क्या आज भी भारत की नदियों को 'निर्मल तेरा नीर अमृत के सम' कह सकते हैं ? क्यों ? *2*

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : 5

(क) पुस्तकालय का शिष्टाचार

(i) मौन और शांति

(ii) पुस्तकों से छेड़छाड़ नहीं

(iii) अधिक लाभ कैसे

(ख) जब मैंने कम्प्यूटर से टिकट खरीदा

(i) इंटरनेट से संभव

(ii) साइट खोलना, विवरण देना

(iii) भुगतान-विधि, तैयार टिकट

(ग) पतंग उड़ाने का आनंद

(i) कब, कहाँ, कैसे

(ii) पतंग, डोरी-माझे का चुनाव

(iii) दाँव-पेंच का रोमांच

4. आपके मुहल्ले के पार्क की सही देखभाल नगर-निगम की ओर से नहीं की जा रही है । इसलिए मुहल्ला-सुधार समिति इस कार्य को अपने हाथ में लेना चाहती है । समिति के सचिव की ओर से उद्यान-अधिकारी को पत्र लिखिए । 5

अथवा

छात्रावास में रहते हुए आपसे अनजाने में कोई भूल हो गई है । प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर उसे स्वीकारिए और भविष्य में सावधान रहने का आश्वासन दीजिए ।

खण्ड ग

5. (क) पद और शब्द में क्या अंतर है ? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए । *1*

(ख) रेखांकित पदबंध का नाम बताइए : *1*

वे स्वभाव से <u>बड़े अध्ययनशील</u> थे ।

(ग) रेखांकित का पद-परिचय दीजिए : *2*

<u>शिवानी</u> नई पुस्तकें पढ़ती है ।

6. (क) रचना के अनुसार वाक्यों का भेद बताइए : *2*

(i) यह वही छात्र है जिसे भाषण-प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार मिला ।

(ii) किसान ने मेहनत की तो अच्छी उपज हुई ।

(ख) निर्देशानुसार वाक्य रूपांतरण कीजिए : *2*

(i) व्यवसायी व्यक्तियों के लिए कोई स्थान दूर नहीं होता । (मिश्र वाक्य में)

(ii) माता पृथ्वी से भी महान् होती है । पिता आकाश से ऊँचा होता है । (संयुक्त वाक्य में)

7. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) वाचन + आलय, राज + इन्द्र । (संधि कीजिए) *1*

(ख) महौषधि, श्वेताम्बर । (संधिच्छेद कीजिए) *1*

(ग) <u>हिमालय</u> पर्वत <u>जड़ी-बूटी</u> का भंडार है । (रेखांकित पदों के समास का नाम लिखिए) । *1*

(घ) नवरत्न, पीताम्बर । (समस्त पदों का विग्रह कीजिए) *1*

8. (क) दिए गए मुहावरों और लोकोक्तियों में से एक मुहावरा और एक लोकोक्ति का प्रयोग वाक्य में इस प्रकार कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए : *2*

(i) नौ दो ग्यारह होना

(ii) कान काटना

(iii) हाथ कंगन को आरसी क्या

(iv) ऐरा-गैरा नत्थू खैरा

(ख) रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे और लोकोक्ति द्वारा कीजिए : *2*

(i) इधर _____, समझ में नहीं आता कि मैं क्या करूँ ।

(ii) किसी काम का _____ करने से पहले उस पर विचार कर लेना चाहिए ।

9. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : 4

(क) तुम्हारा भाई लोग कहाँ रहते हैं ?

(ख) हमारे को ये बात अच्छी नहीं लगती ।

(ग) क्या तुम खाना खाए हो ?

(घ) राम, लक्ष्मण और सीता गई ।

खण्ड घ

10. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

'मनुष्य-मात्र बंधु हैं' यही बड़ा विवेक है,
पुराण-पुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है ।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परन्तु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं ।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे ॥

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए । 1

(ख) विवेक किसे कहते हैं ? 1

(ग) 'मनुष्य-मात्र बंधु हैं' से कवि क्या कहना चाहता है ? 2

(घ) लोगों में भेद क्यों दिखाई पड़ते हैं ? अंतरैक्य से क्या तात्पर्य है ? 2

अथवा

अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अक्सर करती हैं गपशप
कभी-कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं
ख़ास कर गौरैयें
वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद ।

(क) कवि और कविता का नाम लिखिए । 1

(ख) लड़के और चिड़ियाँ तोप का उपयोग किस रूप में करते हैं ? 2

(ग) 'तोप का मुँह बंद होना ही है', कथन का आशय बताइए । 1

(घ) कंपनी बाग़ की यह तोप क्या सीख देती है ? कैसे ? 2

11. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी ***एक*** को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2\times3=6$

व्यवहारवादी लोग हमेशा सजग रहते हैं । लाभ-हानि का हिसाब लगाकर ही क़दम उठाते हैं । वे जीवन में सफल होते हैं, अन्यों से आगे भी जाते हैं पर क्या वे ऊपर चढ़ते हैं । ख़ुद ऊपर चढ़े और अपने साथ दूसरों को भी ऊपर ले चले, यही महत्त्व की बात है । यह काम तो हमेशा आदर्शवादी लोगों ने ही किया है । समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो वह आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है । व्यवहारवादी लोगों ने तो समाज को गिराया ही है ।

(क) 'व्यवहारवादी' और 'आदर्शवादी' का क्या तात्पर्य है ?

(ख) व्यवहारवादी लोगों का सजग रहना समाज के लिए कितना लाभदायी है ?

(ग) लेखक ने 'महत्त्व की बात' किसे माना है ? क्यों ?

अथवा

क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा । क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था । लोग सहम उठे । एक सन्नाटा-सा खिंच गया । जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा । वह पसीने से नहा उठा । सब घबराए हुए थे । वह तलवार को अपनी तरफ़ खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया । वह हाँफ रहा था । अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गयी थी वहाँ एक दरार होने लगी । मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो । एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी । द्वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानो क्रोध में काटता जा रहा था । सभी व्याकुल हो उठे । लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना नहीं की थी, वे सिहर उठे ।

(क) तताँरा के क्रोध के कारणों को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) क्रोध को शांत करने के लिए तताँरा ने क्या किया ?

(ग) तलवार से लकीर खींचकर धरती को फाड़ना अविश्वसनीय है, फिर भी यह कहानी मन को छूती है, ऐसा क्यों ?

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3\times3=9$

(क) गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती हैं और न लौटाने के लिए वे क्या बहाने बनाती हैं ?

(ख) कवि ने 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता में तालाब की समता किससे की है और क्यों ?

(ग) 'कर चले हम फ़िदा' कविता में कवि ने धरती को दुल्हन क्यों कहा है ?

(घ) बिहारी के दोहों के आधार पर बताइए कि ग्रीष्म ऋतु संसार को तपोवन-जैसा कैसे बना देती है ।

13. (क) सुखी होने और दुखी होने के बारे में कबीर की क्या मान्यता है ? वह अपने-आप को दुखी क्यों मानता है ? 'जागते-सोने' का भाव स्पष्ट करते हुए बताइए । 3

(ख) 'मधुर-मधुर मेरे दीपक जल' गीत में कवयित्री दीपक से क्या अनुरोध करती है और क्यों ? 2

14. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $3\times3=9$

(क) दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए ?

(ख) 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के लेखक ने ग्वालियर से मुंबई तक किन बदलावों को महसूस किया ?

(ग) सुभाष चन्द्र बोस के जुलूस में स्त्रियों की क्या भूमिका थी ? 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर लिखिए ।

(घ) फिल्म-निर्माता के रूप में शैलेन्द्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

15. (क) 'गिरगिट' कहानी से क्या संदेश मिलता है ? स्पष्ट कीजिए । 3

(ख) सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किया ? 'कारतूस' पाठ के आधार पर लिखिए । 3

16. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** प्रश्न का उत्तर पूरक पाठ्य-पुस्तक 'संचयन' के आधार पर लिखिए : 4

(क) हरिहर काका के बारे में गाँव वालों की क्या राय थी ? इसके क्या कारण थे ?

(ख) 'सपनों के-से दिन' पाठ की घटनाओं के आधार पर पी.टी. सर के व्यक्तित्व की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

17. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *2+2+2=6*

(क) सभी लड़के मास्टर प्रीतम चंद से क्यों डरते थे ?

(ख) टोपी ने दोस्ती करने के बारे में क्या क़सम खाई थी ?

(ग) गाँव के नेताजी ने हरिहर काका के समक्ष क्या प्रस्ताव रखा ?

(घ) छुट्टियाँ बीतती जातीं तो लेखक का डर क्यों बढ़ता जाता ? 'सपनों के-से दिन' पाठ के आधार पर लिखिए ।